

भारत सरकार  
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 1181  
28.06.2019 को उत्तर के लिए  
वायु की गुणवत्ता

1181. श्री मनोज कोटक:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश के विभिन्न नगरों का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है और वायु की वर्तमान गुणवत्ता मानव, पशुओं और वनस्पति के जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है;
- (ख) यदि हां, तो मुंबई में वायु की गुणवत्ता में खराबी के स्तर सहित तत्संबंधी शहर-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) केंद्र सरकार ने संबंधित राज्य सरकारों के समन्वय से इस स्थिति से निपटने के लिए क्या कदम उठाए हैं; और
- (घ) मुंबई में प्रदूषण की वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री  
(श्री बाबुल सुप्रियो)

- (क) और (ख) : मुंबई सहित महानगरों/दस लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों के लिए 2016-18 के दौरान परिवेशी वायु गुणवत्ता के आंकड़े अनुबंध में दिए गए हैं। आंकड़ों का विश्लेषण दर्शाता है कि 2016-18 के दौरान 50 शहरों में SO<sub>2</sub> स्तर, राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) के भीतर थे। NO<sub>2</sub> के संबंध में 17 शहरों में बढ़ता हुआ रुझान दिखाई पड़ा है, 16 शहरों में घटता हुआ सांद्रण दिखाई पड़ा है, 16 शहरों में घटता-बढ़ता हुआ रुझान दिखाई पड़ा है और एक शहर में स्थिर सांद्रण दिखाई पड़ा है। PM<sub>10</sub> के संबंध में, 14 शहरों में बढ़ता हुआ रुझान दिखाई पड़ा है, 14 शहरों में घटता हुआ सांद्रण दिखाई पड़ा है, 22 शहरों में घटता-बढ़ता रुझान दिखाई पड़ा है। PM<sub>2.5</sub> के संबंध में 17 शहरों का रुझान उपलब्ध है और 17 शहरों में से 08 शहरों में बढ़ता हुआ रुझान है, 04 शहरों में घटता हुआ सांद्रण दिखाई पड़ा है, 05 शहरों में घटता-बढ़ता हुआ रुझान दिखाई दिया है। मुंबई के संबंध में SO<sub>2</sub> और NO<sub>2</sub> के स्तर में घटता हुआ रुझान दिखाई दिया है और PM<sub>10</sub> तथा PM<sub>2.5</sub> में बढ़ता हुआ रुझान दिखाई पड़ा है।
- (ग) : केंद्रीय सरकार ने वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन के लिए अनेक पहलों की हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

योजनाएं और निदेश

- दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन के लिए अभिज्ञात कार्य-कलापों हेतु समय-सीमाएं और कार्यान्वयन एजेंसी को अभिज्ञात करते हुए व्यापक कार्य योजना।
- केंद्रीय क्षेत्र की "प्रदूषण नियंत्रण" योजना के तहत देश भर में वायु प्रदूषण की समस्या से व्यापक ढंग से निपटने के लिए एक समयबद्ध राष्ट्र-स्तरीय कार्यनीति के रूप में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की शुरुआत की गई है।
- एनसीएपी के तहत शहर विशेष की कार्य-योजना तैयार करने और उसे कार्यान्वित करने हेतु 102 ऐसे शहरों को अभिज्ञात किया गया है जहां वायु की गुणवत्ता परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है।
- दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण के विभिन्न स्तरों के लिए ग्रेडिड रिस्पांस कार्रवाई योजना अधिसूचित की गई है।
- वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1986 की धारा 18 (1) (ख) के तहत दिल्ली और एनसीआर सहित प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण के उपशमन हेतु 42/31 उपायों के कार्यान्वयन के लिए व्यापक तौर पर निदेश जारी किए गए हैं जिनमें वाहनजनित उत्सर्जनों, सड़क के धूल-कणों और बाहरी उत्सर्जनों का री-सस्पेंशन, बायोमास/नगरीय ठोस अपशिष्ट को जलाना, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण और विध्वंस कार्य-कलाप तथा अन्य सामान्य उपाय शामिल हैं।

निगरानी

- परिवेशी वायु गुणवत्ता के आकलन के लिए निगरानी नेटवर्क की स्थापना।
- राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की अधिसूचना

- राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के सहयोग से अक्टूबर, 2018 में दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता शीघ्र चेतावनी प्रणाली का कार्यान्वयन।

#### परिवहन

- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 1 अप्रैल, 2018 से और देश के अन्य भागों में 1 अप्रैल, 2020 से बीएस-IV से सीधे बीएस-VI ईंधन मानक अपनाना।
- स्वच्छतर/वैकल्पिक ईंधन जैसे गैसीय ईंधन (सीएनजी, एलपीजी आदि) की शुरुआत करना।
- सड़कों पर वाहनों की अधिकता के कारण भीड़-भाड़ को कम करने हेतु सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा और सड़कों में सुधार तथा और ज्यादा पुलों का निर्माण।
- दिल्ली से अ-लक्षित वाहनों के मार्ग को अपवर्तित करने हेतु पूर्वी पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे और पश्चिमी पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रचालन।
- प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र जारी करने को व्यवस्थित बनाना।

#### उद्योग

- 15 अक्टूबर, 2018 से बदरपुर ताप विद्युत परियोजना को बंद कर दिया गया है।
- दिल्ली और एनसीआर में सभी ईट-भट्टों को मिश्रित प्रौद्योगिकी अपनाने का निदेश दिया गया है।
- दिल्ली और एनसीआर में रेड श्रेणी के सभी उद्योगों में ऑन-लाइन सतत (24x7) निगरानी उपकरणों की संस्थापना।
- औद्योगिक क्षेत्रों के लिए समय-समय पर उत्सर्जन मानकों में संशोधन।

#### बायोमास और ठोस अपशिष्ट

- वर्ष 2018-19 और 2019-20 की अवधि के लिए 'पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में फसल अवशिष्ट के खेत में ही प्रबंधन हेतु कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा' संबंधी केंद्रीय क्षेत्र की एक नई योजना शुरू की गई है।
- बायोमास के जलाने पर प्रतिबंध लगाना।
- दिल्ली में इस समय 5100 टन प्रति दिन (टीपीडी) की कुल क्षमता वाले 3 अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन करने वाले (डब्ल्यू-टी-ई) संयंत्र प्रचालित हैं।
- वर्ष 2016 में ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, ई-अपशिष्ट, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट तथा खतरनाक अपशिष्टों को शामिल करते हुए 6 अपशिष्ट प्रबंधन नियम अधिसूचित किए गए हैं।

## धूल-कण

- निर्माण और विध्वंस कार्यकलापों के लिए धूल उपशमन उपायों के संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई हैं।
- दिल्ली में मशीनीकृत सड़क सफाई मशीनों की संख्या में काफी वृद्धि की गई है और वर्तमान में सड़कों की सफाई के लिए 60 मशीनों का उपयोग किया जा रहा है।

## जन-संपर्क अभियान

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार ने 10-23 फरवरी, 2018 के दौरान दिल्ली के लिए स्वच्छ वायु अभियान की शुरुआत की थी और दिवाली से पहले और उसके बाद 1 नवंबर, 2018 से 10 नवंबर, 2018 के दौरान वायु प्रदूषणकारी कार्यकलापों को नियंत्रित करने हेतु "स्वच्छ वायु अभियान" नामक एक विशेष अभियान आरंभ किया था।
- मंत्रालय द्वारा हरित अचछे कार्यों, जिनमें साईकिल की सवारी करने, जल और बिजली बचाने, पेड़ उगाने, वाहनों का उचित अनुरक्षण करने, सड़कों पर लेन अनुशासन का पालन करने तथा कार पूलिंग द्वारा सड़कों पर भीड़-भाड़ को कम करने आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है, के माध्यम से पर्यावरणीय संरक्षण हेतु लोगों की भागीदारी और नागरिकों में जागरूकता सृजन अभियानों को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्याओं से संबंधित जन-शिकायतों के समाधान हेतु ('समीर ऐप', ई-मेल ([aircomplaints.cpcb@gov.in](mailto:aircomplaints.cpcb@gov.in)) और 'सोशल मीडिया नेटवर्क' (फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से) एक तंत्र विकसित किया गया है।

(घ) : वर्ष 2010 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा मुंबई के लिए स्रोत संविभाजन अध्ययन कराए गए हैं जिनसे यह पता चला है कि मुंबई में  $PM_{10}$  के सांद्रण को बढ़ाने में मिट्टीजनित धूल, वाहनों से उत्सर्जन, कोयले के दहन, पेट्रोलियम शोधक कारखानों, गौण अकार्बनिक एयरोसोल और वायोमास के दहन आदि का प्रमुख योगदान है।

\*\*\*\*\*

'वायु की गुणवत्ता' के संबंध में श्री मनोज कोटक, माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 28.06.2019 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1181 के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

अनुबंध

एनएएमपी (मैनुअल) के तहत 2016, 2017 और 2018 के लिए मिलियन प्लस/शहरी एग्लोमेरेशन्स शहरों की वायु गुणवत्ता की स्थिति ( $\mu/m^3$  में वार्षिक औसत)

क्र. सं.	राज्य	क्र. सं.	शहर	2016				2017				2018			
				SO <sub>2</sub>	NO <sub>2</sub>	PM <sub>10</sub>	PM <sub>2.5</sub>	SO <sub>2</sub>	NO <sub>2</sub>	PM <sub>10</sub>	PM <sub>2.5</sub>	SO <sub>2</sub>	NO <sub>2</sub>	PM <sub>10</sub>	PM <sub>2.5</sub>
1.	आंध्र प्रदेश	1.	विजयवाड़ा	6	44	102	-	6	29	99	-	5	21	77	29
		2.	विशाखापट्टनम	8	18	77	-	9	17	73	-	10	20	77	49
2.	बिहार	3.	पटना	4	32	212	-	5	39	156	-	5	51	207	
3.	चंडीगढ़	4.	चंडीगढ़	2	21	105	123	2	16	109	64	2	17	102	50
4.	छत्तीसगढ़	5.	दुर्ग-भिलाईनगर	9	23	108	-	8	21	97	-	8	19	84	-
		6.	रायपुर	12	31	148		10	27	103		14	20	65	
5.	दिल्ली	7.	दिल्ली	7	66	278	118	7	68	241	106	6	73	223	121
6.	गुजरात	8.	अहमदाबाद	14	27	108	34	14	29	120	38	16	29	236	73
		9.	राजकोट	13	21	92	32	16	22	106	37	19	23	203	64
		10.	सूरत	13	22	92	31	16	26	106	36	22	29	176	57
		11.	वडोदरा	14	23	92	30	16	23	108	36	20	25	188	60
7.	हरियाणा	12.	फरीदाबाद	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
8.	जम्मू और कश्मीर	13.	श्रीनगर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	153	-
9.	झारखंड	14.	धनबाद	15	37	226	-	15	37	238	-	14	37	264	-
		15.	जमशेदपुर	36	45	136	-	36	45	131	-	37	46	128	-
		16.	रांची	20	37	196	-	19	37	142	-	18	36	122	-
10.	कर्नाटक	17.	बैंगलोर	3	31	103	51	2	31	92	46	2	30	90	47
11.	केरल	18.	कोच्चि	2	20	48	-	2	19	51	-	3	16	57	-
		19.	कोल्लम	4	8	46	-	3	6	43	-	3	5	47	-

		20.	कोलिकोड	2	18	51	-	2	18	47	-	2	10	54	6
		21.	मलप्पुरम	2	17	37	-	2	21	32	-	2	26	31	-
		22.	तिरुवनंतपुरम	10	25	53	-	10	26	49	-	9	24	49	-
		23.	तिशूर	2	5	54	-	2	5	56	-	3	9	41	-
12.	मध्य प्रदेश	24.	भोपाल	3	15	89	27	4	15	93	41	7	14	135	59
		25.	ग्वालियर	10	14	96	52	10	17	110	47	13	21	134	62
		26.	इंदौर	11	20	95	54	11	21	80	43	10	19	88	41
		27.	जबलपुर	10	23	71	32	10	21	74	23	7	17	119	43
13.	महाराष्ट्र	28.	औरंगाबाद	14	39	92	-	10	33	83	-	13	35	70	-
		29.	मुंबई	6	30	119	-	3	18	151	40	2	21	166	46
		30.	नागपुर	16	26	118	-	9	27	102	-	10	28	103	44
		31.	नासिक	13	27	85	-	12	22	81	-	12	21	85	-
		32.	पुणे	28	78	107	-	21	65	102	-	37	75	106	-
		33.	थाइन	18	60	122	-	18	47	125	-	17	44	108	-
		34.	वसई - विरार	N A	N A	NA	NA	N A	N A	NA	NA	N A	N A	NA	NA
14.	पंजाब	35.	अमृतसर	12	29	194	-	11	27	168	-	13	34	177	-
		36.	लुधियाना	11	25	139	-	10	28	162	-	9	32	162	-
15.	राजस्थान	37.	जयपुर	8	33	199	-	8	30	177	-	8	32	165	-
		38.	जोधपुर	6	23	168	-	6	21	180	-	7	24	223	-
		39.	कोटा	7	30	109	-	8	28	130	-	7	28	152	-
16.	तमिलनाडु	40.	चेन्नई	10	18	65	25	9	17	62	32	9	16	78	34
		41.	कोयंबटूर	6	24	59	35	5	26	49	34	6	23	54	32
		42.	मदुरै	15	24	76	38	14	23	67	30	12	20	84	34
		43.	त्रिची	12	20	95	27	12	20	86		17	23	110	53

17.	तेलंगाना	44.	हैदराबाद	5	27	101	49	6	28	108	54	5	30	105	55
18.	उत्तर प्रदेश	45.	आगरा	5	22	198	-	4	19	185	124	4	22	209	106
		46.	इलाहाबाद	4	37	196	-	4	40	140	-	4	45	231	-
		47.	गाज़ियाबाद	15	28	235	-	22	34	280	-	21	43	245	103
		48.	कानपुर	7	39	217	-	7	45	224	-	7	47	218	-
		49.	लखनऊ	8	27	214	-	8	26	246	102	7	30	217	108
		50.	मेरठ	7	55	157	-	7	52	153	-	7	58	177	-
		51.	वाराणसी	11	32	256	-	10	38	244	-	9	34	189	-
19.	पश्चिम बंगाल	52.	आसनसोल	13	42	211	88	12	37	163	67	13	35	146	58
		53.	कोलकाता	4	49	113	70	6	41	120	71	6	44	148	86

ध्यान दे: NA- शहर में कोई निगरानी स्टेशन नहीं है, '-' डेटा उपलब्ध नहीं है, आवासीय, औद्योगिक, ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस)  $SO_2 = 50 \mu\text{g} / \text{m}^3$ ,  $NO_2 = 40 \mu\text{g} / \text{m}^3$ ,  $PM_{10} = 60 \mu\text{g} / \text{m}^3$  और  $PM_{2.5} = 40 \mu\text{g} / \text{m}^3$  और  $SO_2 = 20 \mu\text{g} / \text{m}^3$ ,  $NO_2 = 30 \mu\text{g} / \text{m}^3$ ,  $PM_{10} = 60 \mu\text{g} / \text{m}^3$  और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र के लिए पीएम<sub>2.5</sub> = 40  $\mu\text{g} / \text{m}^3$  /वर्ष 2018 के लिए तालिका में प्रस्तुत डेटा आज की तिथि के अनुसार उपलब्ध है।